

भक्तयोर्दृष्टिर्वैव स्यात्प्रयुक्तयो वा 12, 8, 2, 11. पौर्णमासेनेष्टिपशुसोमा उपदि-
ष्टः Âçv. Çr. 2, 1. दशपूर्णमासधर्मा इष्टिपशु सामर्थ्यात् KÂT. Çr. 4, 3, 2.
13, 29. 15, 1, 3. 24, 6, 7. इष्टिं कुर्वन्ति PRAÇNOP. 1, 12. इष्टिपौत्रु ÇAT. Br.
14, 4, 2, 3. इष्टिकेन्द्र Ind. St. 1, 73. इष्टिकारिका Verz. d. B. H. No. 243.
fg. श्रायुष्कामेष्टि, पुत्रकामेष्टि Âçv. Çr. 2, 10. पवित्रेष्टि 12. वर्षकामेष्टि 13.
14, 18. 3, 1. 13. 41. 9, 8. 10, 6. — रत्तांसि न इष्टिविघ्नमुत्पादयन्ति ÇÂK. 28,
13. इष्टीः पार्वीयाणांतीयाः केवला निर्वपेत्सदा M. 4, 10. प्राज्ञापत्यां निरु-
ष्येष्टिम् 6, 38. वैश्वानरीम् 11, 27. JĀGĀ. 1, 126. नवसस्येष्टि M. 4, 26, 27. ऋ-
तेष्टि 6, 10. गोप्यतीष्टि AK. 2, 7, 8. H. 818. पुत्रीयामिष्टिम् RAGH. 10, 4.
पुत्रीयिष्ठा KATHĀS. 13, 58.

इष्टिका f. = इष्टका MBH. 14, 2633. Suçr. 2, 140, 18. MĀKĀ. 47, 10. श्र-
युमेष्टिक KAUC. 85.

इष्टिकापथिक n. = इष्टकापथ RĀGĀN. im ÇKDR.

इष्टिन् (von 2. इष्ट) adj. der da geopfert hat P. 5, 2, 88. इष्टी यज्ञे Sch. —
Vgl. श्रनिष्टिन्.

इष्टिपच (2. इ° + प°) m. ein ASURĀ ÇABDAR. im ÇKDR.

इष्टिमुष् (2. इ° + मु°) m. dass. TAİK. 1, 1, 7.

इष्टीकृत (2. इष्टि + कृ°) n. = इष्टकृत MBH. 3, 15408.

इष्टु (von इष्, इक्षति) f. Wunsch, Verlangen UÑĀDIK. im ÇKDR.

इष्टायन (2. इ° + ष°) n. Folge von Darbringungen, länger dauernde

Opferfeier: इष्टायनानि संवत्सरिकाणि Âçv. Çr. 2, 14.

इष्मं m. 1) Frühling. Vgl. इष्य. — 2) der Liebesgott Uṇ. 1, 143. —
Vgl. इष्म.

इष्मन् (von I. इष् adj. treibend, eilig, stürmisch, Bez. der Winde
Nir. 4, 16. ते वाशीमत्स इष्मिणो अर्भोरवो विद्रे प्रियस्य माहृतस्य धाम्नः
RV. 1, 87, 6. घथा पितरमिष्मिणीं रुद्रं वैचत् शिक्तसः 5, 32, 16. 87, 5, 7,
56, 11.

इष्य m. Frühling H. 156 (nach dem Sch. auch n.). — Vgl. इष्म.

इष्व m. Lehrer Uṇ. 1, 152. — Vgl. इष्व.

इष्वर्यं (इ° + ष्व°) n. Pfeilspitze AV. 11, 10, 16. Davon adj. इष्वर्यीय gaṇa
गृहादि zu P. 4, 2, 138.

इष्वनीक (इ° + ष्व°) n. dass.; davon adj. ०नीकीय gaṇa गृहादि zu P. 4,
2, 138.

इष्वर्ग (इष् + वर्ग) m. Pfeilabwehrer, d. h. Knappe, Schildträger:
इष्वर्गो वा अर्धयुर्गमानस्येष्वर्गः खलु वै पूर्वा ऽस्तुः लीयते (die Hdschr.: इ-
ष्टर्गो und पूर्वोष्ः) der Adhv. ist der Schildträger des Opfernden, der
Schildträger pflegt eher umzukommen als der Schütze TS. 3, 1, 2, 1.

इष्वसन (इष् + 1. असन) n. Bogen RAGH. 11, 37.

इष्वस्त्र (इ° + ष्व°) n. dass.: इष्वस्त्रे श्रेष्ठो बभूव R. 2, 1, 14. 6, 24, 28.

इष्वायुर्धं (इ° + ष्व°) n. Pfeil und Waffen AV. 5, 31, 7.

इष्वार्षं (इ° + 2. आस von ष्व् werfen) m. 1) Pfeilschütz H. a. n. 3, 746.

MED. s. 16 (m. f. n.). AV. 15, 5, 1. fgg. महेष्वास BĀG. 1, 4. R. 1, 1, 12. 5,
36, 48. परमेष्वास BĀG. 1, 17. परमेष्वासतो गतः MBH. 3, 17170. — 2) Bo-

gen AK. 2, 8, 2, 51. H. 775 (nach dem Sch. auch n.) H. a. n. MED. R. 6, 79,
51. m. n. v. l. im gaṇa अर्धर्चादि zu P. 2, 4, 31. Vgl. 2. आस.

इम् interj. कोपे, संतापे, दुःखभावनायाम् ÇABDAR. im ÇKDR.

इक्ष् (von 2. इ) adv. 1) hier, hierher (Gegens. अत्र, अमुत्र, परत्र) P. 5, 3,
11. Vop. 7, 110. एह गच्छताम् RV. 1, 22, 1. 133, 5. 10, 13, 3. स्तनमिह

धातवे कः 164, 49. ममेदिह (oder zu 2.) श्रुतं क्वम् 2, 41, 4. 3, 41, 8. अत्रैव
त्वमिह वयम् 10, 18, 9. KAUC. 79. (पृथिवीम्) नि दधानीह वेह वा RV. 10,
119, 9. 173, 2. AV. 7, 12, 4. 8, 1, 1. 3. 18. इह प्रजां ज्ञय पत्ये श्मै 14, 2,
24, 29. इह रतिरिह रमधम् VS. 8, 51. ÇAT. Br. 1, 8, 4, 14. 7, 5, 2, 12. इहाइ
इहाइ इत्यभिषुषोति 10, 6, 5, 1. पतिर्भायी संप्रविश्य गर्भो भूवेह ज्ञायते M.
9, 8. N. 9, 32. इष्टैव ते परं रूपं व्युतिं च परमामिह (vor unsern Augen) 12,
52. 4, 15, 16. कथमागमनं चेह N. 3, 21, 22. 12, 38. 18, 12. आन्येह 13, 24.
16, 4. R. 1, 8, 15, 17. 5, 1, 20. HIT. 19, 3. VID. 72. 115. 139. 207. hier auf
Erden, hienieden ÇAT. Br. 3, 2, 4, 1. 6, 22. 10, 5, 2, 16. नैवेह किं चनाप
आसीत् 6, 5, 1. तेषामिह न पुनरावृत्तिरस्ति 14, 9, 1, 18. 4, 24, 28. M. 1, 42.
2, 2, 4, 5. 2, 166. N. 13, 18. 24, 33. HIT. I, 29, 78. VID. 2. इह — अमुत्र M.
3, 181. 5, 55. 9, 322. 12, 89. इह — परत्र 5, 166. PAÑĀT. II, 24. RAGH. 1,
69. इह — प्रेत्य M. 2, 9, 26, 146. u. s. w. R. 2, 27, 6. इह — परलोके M. 5,
153. bisweilen liegt auf dem hienieden ein so geringer Nachdruck, dass
man das Wort in der Uebersetzung ganz übergehen muss, M. 8, 222.
228. 10, 93. DAÇ. 1, 11. HIT. I, 163. hier in diesem Lehrbuch oder System
Nir. 2, 5, 5, 5. M. 1, 79. 2, 143, 149. 3, 25. Suçr. 4, 35, 19. HIT. Pr. 7. hier, in
diesem Falle SIDDH. K. zu P. 1, 1, 28. in comp. mit स्थ hier seiend, sich hier
befindend Nir. 7, 23. MBH. 3, 11322. R. 1, 73, 5. 2, 21, 23. 82, 14. 8, 63, 5.
4, 58, 33. ÇÂK. 28, 11. KATHĀS. 13, 94. इह verbindet sich oft mit einem
vorang. oder folg. loc.: लोके hier in der Welt, in dieser Welt M. 3, 141.
10, 58. 12, 102. PAÑĀT. I, 3. लोकेषु MBH. 13, 1537. स्थाने R. 1, 47, 13. भुवि
ÇÂK. 43, v. l. श्राय N. 12, 20. नगरे VID. 191. शास्त्रे P. 1, 1, 49, Sch. जन्मनि
KATHĀS. 13, 134. समये HIT. 104, 15. इह tritt mit dem loc. an den Anfang
eines comp.: इहलोकस्य MBH. 14, 953, 1324. Vgl. ऐहलौकिक. Substanti-
visch auf einen vorher erwähnten Gegenstand hinweisend: दोषानप्य-
स्य मे ब्रूहि यदि सतीह (in ihm) केचन SĀV. 2, 21. महति विह (d. i. त-
रंगे) लहरी H. 1075. AK. 2, 9, 9. — 2) jetzt, nun: अद्यः कर्त्तव्यं उतेह
कर्त्तव्यः RV. 1, 161, 3. इह ब्रवीतु य इमं वेदं 164, 7, 18. 8, 54, 5. 10, 87, 8.
तमिहेह ब्रवः AV. 7, 2, 1, 55. — 3) इहेह hier und da; von da und dort;
jetzt und jetzt, d. h. wiederholt: (समनवत्) इहेह वृत्तैर्विद्युता पदासन्
RV. 5, 30, 10. इहेह ज्ञाता समवावशीताम् 1, 181, 4. 3, 60, 1. 4, 43, 7. 5, 47,
5. इहेहेषां कृणुहि भोजनानि ये बृहस्पि नमोवृत्तिं न जग्मुः 10, 131, 2. इ-
हेह वा यज्ञं महत आ वृषो 7, 59, 11.

इहेकतु und इहेचित (इ° + कृ° und चि°) adj. dessen Wille und Ge-
danke hierher geht AV. 18, 4, 38.

इहेत्य (von इह) adj. hiesig P. 4, 2, 104, Sch. KATHĀS. 13, 10. DAÇAK. 98,
9. Davon इहेत्यक, f. इहेत्यका P. 7, 3, 44, VArt. 2, Sch.

इहेत्र (von इह mit einem zweiten loc.-suff.) adv. hienieden VJURP. 80.
इहेद्वितीया und इहेचमी (इह + द्वि° und प°) gaṇa मयूरव्यंसकादि zu
P. 2, 1, 72.

इहेभोजन (इह + भोज°) adj. dessen Güter, Gaben hierher kommen AV.
18, 4, 49.

इहेस्थान (इह + स्थान) adj. dessen Ort, Aufenthalt hier auf Erden ist
Nir. 7, 23.

इहेहमातर (इह-इह + मा°) adj. du. ०रा von deren (Indra und
Agni) Müttern die eine hier, die andere dort ist: सप्तानो वा जनिता
धातरा युवं यमाविकेहमातरा RV. 6, 39, 1.